

ऐसी लगी मेरे बीमारी | By Narendra Kaushik |

ऐसी लगी मेरे बीमारी, हो
दूर करो हो बजरंगी ।
ऐसी लगी मेरे बीमारी, हो
दूर करो हो बजरंगी ॥

काया सारी चस-चस चसके,
पूछे दुनिया हाय हँस-हँस के ।
अब लाज रखियो म्हारी, हो
दूर करो हो बजरंगी ।
ऐसी लगी मेरे बीमारी, हो
दूर करो हो बजरंगी ॥

मेरी काया में संकट बढ़ गया,
नूर मेरे चेहरे का झड़ गया ।
अब तन्ने बता दूँ सारी, हो
दूर करो हो बजरंगी ।
ऐसी लगी मेरे बीमारी, हो
दूर करो हो बजरंगी ॥

सासु जी मन्ने कहे चटोरी,
से तू गैर घरां की छोरी ।
इस दुख में उमर बितार्ई,
दूर करो हो बजरंगी ।
ऐसी लगी मेरे बीमारी, हो
दूर करो हो बजरंगी ॥

मेरा पैर जग में फँस गया,
बालाजी तू मन में बस गया ।
करो सिटनिगा तिहारी, हो
दूर करो हो बजरंगी ।
ऐसी लगी मेरे बीमारी, हो
दूर करो हो बजरंगी ॥

चंद्रहास से तेरी शरण में,
कोन्या रह री कसर मरन में ।
यानादी छूटती सारी, हो
दूर करो हो बजरंगी ।
ऐसी लगी मेरे बीमारी, हो
दूर करो हो बजरंगी ॥